A–0945

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

DCH-103

Diploma in Commercial Horticulture (DCH)

Commercial Fruit Production

(व्यवसायिक फल उत्पादन)

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 50

नोट :– यह प्रश्न-पत्र पचास (50) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×13=26)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए तेरह (13) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अमरूद की खेती के बारे में विस्तार से लिखिए।

2. मानव के जीवन में फलों का क्या महत्व है ? विस्तार से लिखिए।

3. उत्तराखण्ड फल उत्पादन की संभावनाओं पर विस्तार से लिखिए।

4. सेब में उपयोग होने वाले मूलवृंतों के बारे में विस्तार से लिखिए।

5. पपीते की खेती के बारे में विस्तार से लिखिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×6=24)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छः (06) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. आलूबुखारा की विभिन्न किस्मों के बारे में लिखिए।

2. सेब की मृदा एवं जलवायु के बारे में लिखिए।

3. अमरूद एवं लीची की किस्मों के बारे में लिखिए।

4. सेब के तने पर होने वाले रोग के बारे में लिखिए।

5. आम में रोग नियत्रंण के बारे में लिखिए।

6. नाशपाती की खेती संक्षेप में लिखिए।

7. पपीते की खेती संक्षेप में लिखिए।

8. उत्तराखण्ड में सेब की किस्मों तथा किन-किन क्षेत्रों में सेब उत्पादन सर्वाधिक होता है ? संक्षेप में लिखिए।

****